भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1749
10 फरवरी, 2026 को उत्तर के लिए

पश्चिम बंगाल में सेल संयंत्रों के लिए पर्यावरण मंजूरी

1749. श्री कीर्ति आज़ादः

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पश्चिम बंगाल में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के संयंत्रों के लिए पर्यावरणीय स्वीकृतियों की वर्तमान स्थिति क्या है जिसमें निरीक्षण, उल्लंघन, दंड और इन अभिलेखों तक जनता की पहुंच शामिल है।

(ख) पश्चिम बंगाल में जारी सेल के संयंत्रों में विशेष रूप से दुर्गापुर इस्पात संयंत्र के लिए उपलब्ध सर्वोत्तम प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए प्रौद्योगिकी उन्नयन, निर्धारित समय-सीमा और किए गए व्यय का ब्यौरा क्या है,

(ग) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं कि खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम में पश्चिम बंगाल को प्रभावित करने वाले संशोधनों के बाद सेल के पास अपने संयंत्रों के लिए पर्याप्त कच्चा माल हो; और

(घ) सेल के पर्यावरणीय अनुपालन, परियोजना व्यय की निगरानी करने में सरकार की क्या भूमिका है और क्या स्वतंत्र लेखापरीक्षा या निरीक्षण सार्वजनिक रूप से सुलभ हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)

(क) से (ग): पश्चिम बंगाल में स्थित स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के संयंत्रों वर्तमान में वैध पर्यावरणीय मंजूरी (ईसी) के साथ कार्यरत हैं। इन इकाइयों से संबंधित प्रासंगिक वैधानिक अभिलेख भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) के परिवेश पोर्टल पर उपलब्ध है।

पश्चिम बंगाल में सेल के संयंत्रों में आधुनिकीकरण एवं क्षमता विस्तार कार्यक्रमों के अंतर्गत सर्वोत्तम उपलब्ध प्रौद्योगिकी (बीएटी) पर आधारित प्रौद्योगिकी उन्नयन की पहलें की गई हैं।

सेल के संयंत्रों के लिए पर्याप्त कच्चा माल उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, लौह अयस्क उत्पादन को बढ़ाने के लिए त्वरित अन्वेषण, खनन अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा नए खनन क्षेत्रों के विकास सहित आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

(घ) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की इकाइयों में पर्यावरणीय अनुपालन की निगरानी पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी), केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबीएस) तथा प्रदूषण नियंत्रण समितियों (पीसीसीएस) जैसी नियामक संस्थाओं द्वारा की जाती है।

*****